तिरुवनंतपुरम शैक्षणिक जिला

हिंदी कार्य-पत्रिका 2021-22

उत्तर-सूचिका

Thiruvananthapuram Educational District

कक्षा 10

WS2HN102

हिंदी कार्य-पत्रिका 2021-22

WS2HN102

प्रश्न.1 निम्नलिखित खंड़ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखें।

विनोद कुमार शुक्ल अपनी मौलिकता के साथ ही भाषा की अनगढ़ता के लिए विख्यात हैं। किंतु इस कविता में मौलिक होने के साथ ही वे काव्य शिल्प के सिद्ध कवि की तरह भी दिखाई देते हैं।

कविता के अर्थ इतने सहज और साफ़ हैं कि उन्हें व्याख्या की दरकार नहीं है। सरल शब्दोंवाले वाक्य स्वयं ही अपना मर्म कह देते हैं।

Thiruvananthapuram Educational District

(1) 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' – यह टिप्पणी किसने लिखी है ?

क) विनोद कुमार शुक्ल

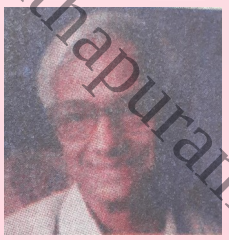

ख) नरेश सक्सेना

ग) प्रभात

ख) नरेश सक्सेना .....

(2) पाठ भाग में ' प्रसिद्ध' के लिए प्रयुक्त शब्द कौन–सा है ?

(मौलिक, अनगढ़ता, विख्यात)

विख्यात .....

(3) निम्नलिखित में विशेषण शब्द कौन–सा है ?

सिद्ध कवि

सिद्ध .....

(4) सही मिलान करें।

कविता के अर्थ	स्वयं ही अपना मर्म कह देते हैं।
विनोद कुमार शुक्ल अपनी कविता में	सहज और साफ़ हैं।
सरल शब्दोंवाले वाक्य	के लिए विख्यात हैं।
वे भाषा की अनगढ़ता	मौलिकता रखनेवाले कवि हैं।

कविता के अर्थ	सहज और साफ़ हैं।
विनोद कुमार शुक्ल अपनी कविता में	मौलिकता रखनेवाले कवि हैं।
सरल शब्दोंवाले वाक्य	स्वयं ही अपना मर्म कह देते हैं।
वे भाषा की अनगढ़ता	के लिए विख्यात हैं।

Thiruvananthapuram Educational District

प्रश्न.2 निम्नलिखित खंड़ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखें।

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। दोनों छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था।

"साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे?" बेला ने पूछा।

"और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला?" साहिल ने पूछा।

"मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे और तुम?"

"मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।"

"क्यों साहिल?"

"पता नहीं क्यों"

"तो यानी कि अब तुम फुलेरा में ही नहीं रहोगे?"

"नहीं। तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड दिखाना।"

साहिल बेला का रिपोर्ट कार्ड देख रहा था और बेला साहिल का। आज आखिरी बारी वे एक-दूसरे की कोई चीज़ को छूकर देख रहे थे।

(1) अजमेर में साहिल कहाँ रहेगा?

क) हॉटल में

ख) घर में

ग) हॉस्टल में

ग) हॉस्टल में .....

(2) नमूने के अनुसार पूरा करें।

साहिल बेला का रिपोर्ट कार्ड देख रहा था।

बेला साहिल का रिपोर्ट कार्ड देख रही थी।

(3) साहिल और बेला बहुत दुखी दिख रहे थे। इसका कारण क्या होगा ?

यह स्कूल पाँचवीं तक ही था। अब साहिल और बेला अलग-अलग स्कूल में पढ़ेंगे। इसलिए वे दुखी थे।

Thiruvananthapuram Educational District

(4) कहानी के प्रस्तुत अंश के आधार पर पटकथा का एक दृश्य लिखें।

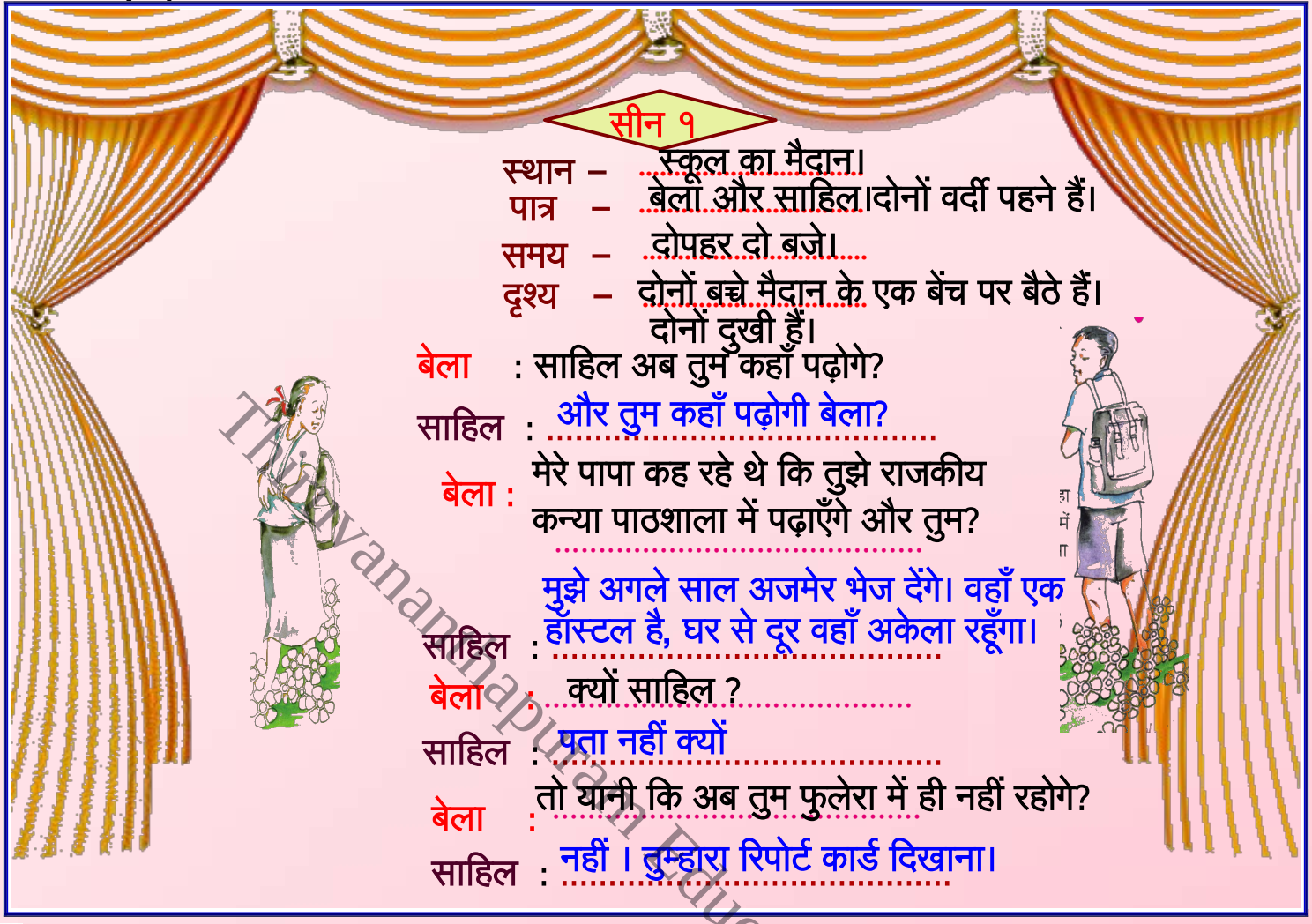

सीन १

स्थान – स्कूल का मैदान।

पात्र – बेला और साहिल।दोनों वर्दी पहने हैं।

समय – दोपहर दो बजे।

दृश्य – दोनों बच्चे मैदान के एक बेंच पर बैठे हैं। दोनों दुखी हैं।

बेला : साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे?

साहिल : और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला?

बेला : मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे और तुम?

साहिल : मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।

बेला : क्यों साहिल ?

साहिल : पता नहीं क्यों

बेला : तो यानी कि अब तुम फुलेरा में ही नहीं रहोगे?

साहिल : नहीं । तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड दिखाना।

प्रश्न.3

' टूटा पहिया ' कविता की पंक्तियाँ पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत !
क्या जाने; कब
इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए !

(1) ' टूटा पहिया' किसकी कविता है ?

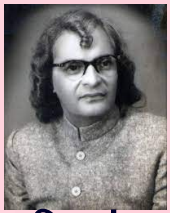

क) सुमित्रानंदन पंत

ख) धर्मवीर भारती

ग) बाबा नागार्जुन

ख) धर्मवीर भारती

Thiruvananthapuram Educational District

(2) निम्नलिखित आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें।

अनुपयोगी समझकर टूटे हुए पहिए को फेंकना नहीं चाहिए

मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत !

(3) सही मिलान करें।

टूटा पहिया	आधुनिक समस्याएँ
चक्रव्यूह	अधर्म का विरोधी
अक्षौहिणी सेना	लघु मानव
अभिमन्यु	शोषक वर्ग की शक्ति

टूटा पहिया	लघु मानव
चक्रव्यूह	आधुनिक समस्याएँ
अक्षौहिणी सेना	शोषक वर्ग की शक्ति
अभिमन्यु	अधर्म का विरोधी

(4) उपर्युक्त पंक्तियों का विश्लेषण करके सूचनाओं की सहायता से आशय की पूर्ति करें।

इनसे मदद लें।

* अभिमन्यु जैसे कोई साहसी वीर आकर घिर जाए।
* रथ के टूटे हुए पहिए को अस्त्र बनाकर शत्रुओं का सामना किया था।
* महाभारत से लिया है।
* मैं टूटा हुआ हूँ।
* प्रतीकात्मक रचना है।

डॉ. धर्मवीर भारती हिंदी के नए कवियों में अग्रणी हैं। 'टूटा पहिया' भारती जी की एक छोटी कविता है। 'टूटा पहिया' एक प्रतीकात्मक रचना है।। कवि ने इसका कथानक महाभारत से लिया है।। जब चक्रव्यूह में फँसकर अभिमन्यु निहत्था हुआ था तब उसने रथ के टूटे हुए पहिए को अस्त्र बनाकर शत्रुओं का सामना किया था।। इसलिए टूटा पहिया कहता है कि मैं टूटा हुआ हूँ।। लेकिन मुझे मत फेंको । कौन जाने कि इस दुरूह चक्रव्यूह में अभिमन्यु जैसे कोई साहसी वीर आकर घिर जाए।।

Thiruvananthapuram Educational District

प्रश्न.4 निम्नलिखित खंड पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखें।

गाँव के स्कूल में मेरा एक साथी था– मोरपाल। वही मोरपाल जिसने एक बार हमारे अंग्रेज़ी के मास्टर तिवारी जी को look का मतलब और सही हिज्जे पूछे जाने पर बताया था, "एल डबल ओ के लुक, लुक यानी लुक-लुक के देखना।" नाम का पहला अक्षर मिलने की वजह से क्लास की दरीपट्टी पर हमारी बैठने की जगहें भी साथ ही थीं। वही मोरपाल जिसकी मेरे खाने के डिब्बे में राजमा देखते ही बाँछें खिल जाती थीं। हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला-बदली का। यानी मेरे टिफ़िन के राजमा-चावल उसके और उसके घर से आया बड़ा-सा छाछ का डिब्बा मेरा। उसे पता था कि छाछ मेरी कमज़ोरी है।

(1) मिहिर की कमज़ोरी क्या थी ?

क) छाछ

ख) राजमा– चावल

ग) रोटी– दाल

क) छाछ

(2) 'उसके' में निहित सर्वनाम है ––––।

(यह, वह, वे)

वह

(3) मिहिर और मोरपाल के बीच का सौदा क्या था ?

मिहिर और मोरपाल के बीच का सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला-बदली का।

(4) 'प्रसन्न होना' इस अर्थ में प्रयुक्त शब्द उपर्युक्त खंड से चुनकर लिखें। बाँछें खिल जाना

(5) मिहिर अपनी डायरी में मोरपाल के साथ तय किए गए सौदे के बारे में लिखने लगा। वह डायरी कल्पना करके लिखें।

इनसे मदद लें।

- सो मेरी कमज़ोरी है।
- रोज़ खाने के डिब्बे में राजमा ही रखें।
- खेल घंटी में खाने की अदला–बदली का।
- मोरपाल की बाँछें खिल जाती हैं ।

तारीख

आज भी स्कूल में हमने खूब मस्ती की। आज मैंने मोरपाल से एक सौदा भी किया खेल घंटी में खाने की अदला–बदली का। वह जो छाछ लाता है न सो मेरी कमज़ोरी है। अरे वाह! कितना स्वादिष्ट है वह । मेरे खाने के डिब्बे में राजमा देखते ही मोरपाल की बाँछें खिल जाती हैं । मैंने माँ से कह रखा है कि रोज़ खाने के डिब्बे में राजमा ही रखें। तो मेरा राजमा उसका और उसका छाछ मेरा।

Thiruvananthapuram Educational District